Printed Pages – 2

21068

B. A. (Final Year) Examination, 2021

(New Course)

SANSKRIT LITERATURE

Paper : First

(Geeta Darshan Vyakaran aur Bhasha Bigyan)

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 60

***नोट** : सभी खण्ड के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-'अ'

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **5×5=25**

1. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार 'आत्मा' के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

श्रीमद्भगवद्गीता का सामान्य परिचय दीजिए।

2. मनुस्मृति के अनुसार वर्ण व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

अथवा

मनुस्मृति के अनुसार ब्रह्मचर्याश्रम के कर्त्तव्य स्पष्ट कीजिए।

3. कठोपनिषद् के आधार पर नचिकेता और यम संवाद को अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय की प्रथम बल्ली का सारांश लिखिए।

4. गेयम् एवं आश्वपतम् पद की ससूत्र रूपसिद्धि कीजिए।

अथवा

गत्वा और लघुता पर की ससूत्र रूपसिद्धि कीजिए।

5. भाषा के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'ध्वनि-मन्त्र' को समझाइए।

खण्ड-'ब'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) **5×7=35**

6. निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

(i) देहिनोऽस्मिन् यथा देहे कौमारं यौवनं जरा।
तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति॥

(ii) जातस्य हि ध्रुवो मुत्यु र्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।
तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि॥

अथवा

(iii) य एनं वेत्ति हन्तारं यश्चैनं मन्यते हतम्।
उभौ तौ न विजानी तो नायं हन्ति न हन्यते॥

(iv) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्म फलहेतु र्भूर्या ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।

7. निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

(i) तपः परं कृतयुगे त्रेतायां ज्ञानमुच्यते।
द्वापरे यज्ञमेवाहुर्दानमेकं कलौ युगे॥

(ii) सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रयान्न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्।
प्रियं च नानृतं ब्रूयादेष धर्मः सनातनः॥

अथवा

(iii) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः॥

(iv) नदीकूलंयथा वृक्षो वा शकुनिर्यथा।
तथा त्यजन्निमं देहं कृच्छ्राद् ग्राहाद्विमुच्यते॥

8. कठोपनिषद् के दार्शनिक महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

अथवा

यमराज द्वारा नचिकेता को दिए गए ब्रह्म विद्या के उपदेश को लिखिए।

9. निम्नलिखित की सूत्रोल्लेखपूर्वकं सिद्धि कीजिए—

(i) पठनीयम्
(ii) गम्यमानः
(iii) वैनतेयः
(iv) दण्डी
(v) प्राप्य
(vi) कृतः
(vii) गोत्वम्
(viii) अजा

10. अर्थ परिवर्तन की दिशाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

वाक्य की परिभाषा लिखकर वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ बताइए।